पहिलौठे के अधिकार के विषय में बाइबल क्या कहती है?

व्यवस्थाविवरण २१:१५-१७ के अनुसार प्राचीन इस्राएली और पश्चिमी एशिया की अन्य संस्कृतियों में परिवार के बड़े पुत्र को विशेष आदर और अधिकार प्राप्त थे। पिता की मृत्यु के बाद पहिलौठे के इस अधिकार में पारिवारिक सम्पत्ति और पारिवारिक नेतृत्व में उसका एक विशेष भाग होता था। भारत के प्राचीनतम ग्रन्थ वेदों से भी यही जानकारी प्राप्त होती है। किन्तु बाइबल के अनुसार ये विशेषाधिकार हस्तान्तरित किए जा सकता था, जैसे कि उत्पत्ति २५:२९-३४ में वर्णित है कि इसहाक के बड़े बेटे एसाव (पहिलौठे) ने अपने पहिलौठे का अधिकार अपने छोटे भाई याकूब को बेच दिया था।

उत्पत्ति ३५:२२ में वर्णित है कि याकूब के पहिलौठे पुत्र रूबेन, ने अपने पिता की पत्नियों में से एक (बिल्हा) के साथ कुकर्म किया था, परिणामस्वरूप उत्पत्ति ४९:४ के अनुसार वह अपने गोत्र के प्रधान पद को खो बैठा था। २ इतिहास २१:३ से स्पष्ट होता है इस्राएल देश में राजा की मृत्यु के पश्चात् उसके बड़े पुत्र को ही राजगद्दी का उत्तराधिकारी माना जाता था, जैसे यहोशापात की मृत्यु के पश्चात उसका जेठा पुत्र यहोराम गद्दी पर बैठा। इन तथ्यों की पुष्टि दाउद भजनसंहिता ८९:२७ में करता है, "मैं उसको अपना पहलौठा, और पृथ्वी के राजाओं पर प्रधान ठहराऊंगा।"

निर्गमन ४:२२ के अनुसार परमेश्वर ने इस्राएली प्रजा को अपने पहिलौठे के रूप में ठहराया है। "यहोवा यों कहता है, कि इस्राएल मेरा पुत्र वरन मेरा जेठा है।" बाइबल बताती है कि इस्रालियों के साथ इस सम्बन्ध से परमेश्वर प्रसन्न है। इसीलिए परमेश्वर ने उस पर विशेष ध्यान दिया और कृपा दर्शाई। यिर्मयाह नबी ३१:९ में लिखता है कि जब इस्राएल (आज्ञा न माननेवाला पुत्र) लौटता है तो परमेश्वर आनन्दित होता है और कहता है, "मैं इस्राएल का पिता हूँ और एप्रैम मेरा जेठा है।"

बाइबल में कुछ उदाहरण ऐसे मिलते हैं जहाँ पहिलौठे/जेठे के अधिकार की धारणा नहीं मानी गई और बड़े पुत्र को छोड़ दिया गया। इसका मुख्य उदाहरण १ शमूएल १६:१३ में मिलता है जहाँ यहोवा परमेश्वर के आदेश पर शमूएल नबी द्वारा यिशै के सबसे छोटे पुत्र (दाउद) को इस्त्राएल का राजा होने के लिये चुना गया।